

अंतरराष्ट्रीय जैवविधिता दविस

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

22 मई 2024 को मनाया जाने वाला [अंतरराष्ट्रीय जैवविधिता दविस \(International Day For Biological Diversity- IDB\)](#) पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिये जैवविधिता के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है।

- वर्ष 2024 की थीम "योजना का हिस्सा बनें (Be Part of the Plan)", जैवविधिता के नुकसान से निपटने और [कृन्मगि-मॉन्टरयिल वैश्विकि जैवविधिता फरेमवरक](#) को लागू करने के लिये एकजुट होने परयास के महत्त्व पर प्रकाश डालती है।

अंतरराष्ट्रीय जैवविधिता दविस:

- वर्ष 2000 में [संयुक्त राष्ट्र महासभा \(United Nations General Assembly-UNGA\)](#) ने आधिकारिक तौर पर 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैवविधिता दविस घोषित किया।
- जैवविधिता पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (United Nations Convention on Biological Diversity- UNCBD) 22 मई 1992 को अपनाया गया था।
 - UNCBD जैवविधिता के संरक्षण के लिये [कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि](#) है।
 - भारत इस संधि का एक पक्षकार है और इसने [जैवविधिता अधिनियम](#), 2002 लागू किया है।
- जैवविधिता शब्द एक अवधारणा के रूप में पहली बार वर्ष 1985 में [वाल्टर जी. रोसेन](#) द्वारा दिया गया, जिसमें पौधों, बैक्टीरिया, जानवरों और मनुष्यों सहित सभी जीवन रूपों की विधिता शामिल है।
- UNGA ने वर्ष 2011-2020 को [जैवविधिता पर संयुक्त राष्ट्र दशक](#) के रूप में नामित किया है, जिसका उद्देश्य जैवविधिता के लिये एक रणनीतिक योजना के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाना है।

और पढ़ें: [वैश्विकि जैवविधिता फरेमवरक कोष](#), [जैवविधिता पर अभसिमय](#)